12वीं विज्ञान, वाणिज्य, कला वर्ग एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा के परीक्षा परिणाम जारी

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी

अजमेर, (कासं)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को नागौर जिला कलेक्ट्रेट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक विज्ञान, वाणिज्य, कला वर्ग एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा-2025 के परीक्षा परिणाम जारी किए।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने परीक्षा में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम शिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की मेहनत का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये विद्यार्थी भविष्य में भी राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा मंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष बधाई दी।

संभागीय आयुक्त एवं बोर्ड प्रशासक महेश चंद्र शर्मा ने बताया कि परीक्षा का आयोजन सफलता पूर्वक एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुआ। उन्होंने परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और विद्यालय स्टाफ को शुभकामनाएं दी एवं बोर्ड टीम को कुशल संचालन के लिए धन्यवाद दिया। शर्मा ने बताया कि बोर्ड की उच्च माध्यमिक विज्ञान, वाणिज्य के साथ साथ कला वर्ग परीक्षा 2025 एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा 2025 का परीक्षा परिणाम गुरूवार शाम को घोषित किया गया है। विज्ञान वर्ग की परीक्षा का परिणाम 98.43 प्रतिशत, वाणिज्य वर्ग का परीक्षा का परिणाम 99.07 प्रतिशत, कला वर्ग का परीक्षा का परिणाम 97.78 प्रतिशत एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा का परिणाम 97.76 प्रतिशत रहा।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक परीक्षा के परिणाम जारी किए गये।

- **विज्ञान वर्ग की परीक्षा का परिणाम 98.43 प्रतिशत, वाणिज्य वर्ग का 99.07, कला वर्ग का 97.78 एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा का परिणाम 97.76 प्रतिशत रहा**

उन्होंने बताया कि माध्यमिक विज्ञान वर्ग की परीक्षा में एक लाख 69 हजार 306 छात्रों में से एक लाख 45 हजार 102 छात्र और एक लाख 2 हजार 832 छात्राओं में से 96 हजार 216 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है। उन्होंने बताया कि उच्च माध्यमिक वाणिज्य वर्ग की परीक्षा में कुल 28 हजार 248 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इसमें से 28 हजार 10 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट हुए। उच्च माध्यमिक वाणिज्य वर्ग की परीक्षा का परिणाम 99.07 प्रतिशत रहा। इसमें से छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 98.97 तथा छात्राओं का उत्तीर्णता प्रतिशत 99.27 रहा। उच्च माध्यमिक वाणिज्य वर्ग की परीक्षा में 18 हजार 637 छात्रों मे से 13 हजार 689 छात्र और 9373 छात्राओं में से 8312 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है। उन्होंने बताया कि उच्च माध्यमिक कला वर्ग की परीक्षा में 5 लाख 87 हजार 444 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इसमें से 5 लाख 78 हजार 164 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट हुए। उच्च माध्यमिक कला वर्ग की परीक्षा का परिणाम 97.78 प्रतिशत रहा। इसमें से छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 97.09 तथा छात्राओं का उत्तीर्णता प्रतिशत 98.42 रहा। उच्च माध्यमिक कला वर्ग की परीक्षा में 2 लाख 75 हजार 764 छात्रों में से एक लाख 64 हजार 9 छात्र और 3 लाख 2 हजार 400 छात्राओं में से 2 लाख 23 हजार 45 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है।

उन्होंने बताया कि इसी तरह वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा में 3907 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इसमें से 3847 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट हुए। वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा का परिणाम 97.76 प्रतिशत रहा। इसमें से छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 96.73 तथा छात्राओं का उत्तीर्णता प्रतिशत 98.68 रहा। वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा में 1806 छात्रों में से 882 छात्र और 2041 छात्राओं में से 1264 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है। इस अवसर पर राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड विशेषाधिकारी नीतू यादव, वित्तीय सलाहकार रश्मि बिस्सा, कर्मचारी संघ से अजय बंसल सहित अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

सेप्टिक टैंक की सफाई करने के दौरान तीन मजदूरों की मौत

टैंक में कार्बन डाई ऑक्साइड बनने से तीनों अचेत हुये, तीनों ने कोई सुरक्षा उपकरण नहीं पहन रखे थे

बीकानेर, (निसं)। शहर के करणी औद्योगिक एरिया में वूलन मिल के सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन मजदूरों की मौत हो गई। तीनों का सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुट गया था। काफी देर तक टैंक के अंदर से आवाज नहीं आने पर अन्य साथी टैंक में उतरे। इसके बाद तीनों को बाहर निकालकर लेकर आए। अचेत हालत में पीबीएम हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

- **तीनों का सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुट गया था, काफी देर तक टैंक के अंदर से आवाज नहीं आने पर अन्य साथी टैंक में उतरे**
- **इसके बाद तीनों को बाहर निकालकर लेकर आए, अचेत हालत में पीबीएम हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया**
- **भवानी वूलन टेक नामक कंपनी में सेप्टिक टैंक की सफाई करने के दौरान हादसा हुआ**

जानकारी के अनुसार मिल में ऊन बनाने के लिए उपयोग में आने वाले धागे धोने के लिए कई तरह के केमिकल यूज करते हैं। इसका पानी टैंक में जाता है। इस पानी को साफ करने के लिए तीन मजदूर शिवबाड़ी निवासी सागर, अनिल और गणेश करणी को बुलाया था। टैंक में सबसे पहले एक मजदूर उतरा था। भवानी वूलन टेक नामक कंपनी में सेप्टिक टैंक की सफाई करते हुए ये हादसा हुआ था। सुबह करीब दस बजे सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए मजदूरों को बुलाया गया था। ये लोग सफाई करने उतरे। एक नीचे गया, लेकिन बाहर नहीं आया तो दूसरा मजदूर गया। इसके बाद तीसरा गया।

तीनों की ही अंदर से कोई आवाज नहीं आई। इसके बाद बाहर खड़े एक अन्य मजदूर ने मिल मालिक को सूचना दी। जिसके बाद तीनों को अचेतावस्था में बाहर निकला। पीबीएम अस्पताल ले गए थे, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। सेप्टिक टैंक में उतरने से पहले कई तरह के सुरक्षा उपकरण पहनने होते हैं। जिन तीन मजदूरों को बाहर निकाला गया है, उन्होंने कोई सुरक्षा उपकरण नहीं पहने हुए थे। टैंक में कार्बन डाई ऑक्साइड बनने से तीनों अचेत हो गए थे।

बीकानेर के करणी इंडस्ट्रियल एरिया में तीन साल पहले भी चार मजदूरों की मौत हो गई थी। तब भी मजदूरों को पानी का टैंक साफ करने की कहकर बुलाया था और सेप्टिक टैंक में उतार दिया था। सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस में दम घुटने से एक-एक कर चारों मजदूरों की मौत हो गई थी। टैंक की सफाई के लिए मजदूरों को कोई उपकरण देने के बजाय महज एक बाल्टी थमा दी थी।

हाजिरी पूरी करने के बीए बीएड की छात्रा से 10 हजार रुपये मांगे

बीकानेर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बीए बीएड चतुर्थ वर्ष की छात्रा से उसकी हाजरी पूरी करने के बदले 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगने के आरोपी खाजूवाला एसडीपीजी कॉलेज के डायरेक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

- **खाजूवाला एसडीपीजी कॉलेज के डायरेक्टर के खिलाफ एसीबी में केस दर्ज**
- **आरोपी को भनक लगने और उसके सतर्क होने के कारण दो बार ट्रेप नहीं हो सका**

खाजूवाला में 12 केवाईडी निवासी भूपराम कुम्हार ने एसीबी को रिपोर्ट दी थी कि उसकी पुत्री रेणुबाला खाजूवाला के एसडीपीजी कॉलेज में बीए बीएड की चतुर्थ वर्ष की छात्रा है। उसने कॉलेज की पूरी फीस 27 हजार रुपए जमा करवा दी। परीक्षा के लिए उसने ऑनलाइन फार्म भरा जिसमें भूलवश एक विषय गलत भरा गया। वह 24 जनवरी, 2025 को अपने कॉलेज के डायरेक्टर दिलीप कुमार डेलू से विषय को ठीक करवाने, इंटरनल परीक्षा करवाने तथा लेसन की डायरी कॉलेज से प्राप्त करने के लिए मिली। डेलू ने उसे हाजरी पूरी नहीं होने की बात कही और इसके लिए 10 हजार रुपए मांगे। एसीबी के एसआई आनंद मिश्रा ने शिकायत का सत्यापन करवाया जिसमें 10 हजार रुपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। उसके बाद एसीबी ने ट्रेप का आयोजन किया, लेकिन, आरोपी को भनक लगने और उसके सतर्क होने के कारण दो बार ट्रेप नहीं हो सका। एसीबी की बीकानेर चौकी के एएसपी विनोद कुमार ने बताया कि क्योंकि रिश्वत मांगने की पुष्टि हो चुकी थी। इसलिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिपोर्ट तैयार कर जयपुर मुख्यालय जहां कॉलेज के डायरेक्टर के खिलाफ रिश्वत मांगने का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच डीवाईएसपी महेश श्रीमाली करेंगे।

हत्या के आरोपियों की पुलिस ने परेड निकाली

हत्या के दो आरोपियों को पुलिस पैदल ही मौके पर लेकर पहुंची। दोनों आरोपियों के पैर में चोट थी।

कोटा, (निसं)। जिले के कनवास कस्बे में 18 मई को एक बाइक के शोरूम में कुर्सी पर बैठने को लेकर विवाद में एक बदमाश ने युवक संदीप शर्मा की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में गिरफ्तार आरोपी अतीक उर्फ आदिल और दीपक उर्फ दीपू का पुलिस ने गुरुवार को जुलूस निकाला। दोनों आरोपी पुलिस रिमांड पर है। ऐसे में पुलिस उन्हें सुबह थाने से घटनास्थल पर लेकर आई।

कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि आरोपियों से मौके की तस्दीक करवाने और घटनाक्रम का मौका नक्शा बनाने के लिए कार्रवाई की गई है। दोनों को चोट लगी हुई थी। इसीलिए उन्हें मौके पर पैदल ही ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि सड़क पर रेंगते हुए अतीक चल रहा था क्योंकि उसके दोनों पैर टूटे हुए हैं। उनमें प्लास्टर चढ़ा हुआ है। दूसरी तरफ दीपू भी लंगड़ा कर चल रहा था। वह लाठी के सहारे चल रहा था। उसका एक पैर टूटा हुआ है जिसमें प्लास्टर बंधा हुआ है। भारी पुलिस जाप्ता और एसटीएफ टीम की सुरक्षा में उन्हें लेकर जाया जा रहा था। इस मामले में घटना वाली रात (18 मई) को आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाया गया था। दूसरी तरफ पुलिस जब उसे पकड़ने पहुंची तब भागने की फिराक में दोनों चोटिल हो गए थे। थानाधिकारी श्यामाराम ने बताया कि आरोपी ने छुपने के लिए खुद के बाल कटवा लिए थे। साथ ही हुलिया बदल लिया था। पुलिस गिरफ्त में आने से बचने के लिए भागने पर ही उनको चोट लग गई। इससे दोनों के पैर में फ्रैक्चर भी आए हैं। आरोपी अतीक उर्फ आदिल के खिलाफ छह मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें आर्म्स एक्ट, मारपीट, जानलेवा हमला, धोखाधड़ी और एनडीपीएस के मुकदमे हैं। वहीं दीपक के खिलाफ सट्टे के दो प्रकरण हैं। दोनों आदतन अपराधी हैं।

ऑनलाइन गेमिंग सट्टा लगाते चार गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने दुबई में बैठकर बजरंगबुक ऑनलाइन गेमिंग के जरिये सट्टा खेलाने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर मौके से सट्टा उपकरण जब्त किए। दुबई में बैठ मुख्य आरोपी गेमिंग साईट चलाता था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने एलओसी जारी की है।

- **दुबाई में बैठकर बजरंगबुक ऑनलाइन गेमिंग गेमिंग साइट चलाता था मुख्य आरोपी, तलाश के लिए एलओसी जारी की**

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि अभियान के दौरान गोवर्धन विलास थाना क्षैत्र शिकारवाड़ी कॉलोनी में लेकविजन अपार्टमेंट के एक फ्लेट पर दबीश देकर बजरंग बुक ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट पर सट्टा लगाते कुलदीपसिंह पुत्र डूंगरसिंह कुम्पावत निवासी मैन रोड़ शिकारवाड़ी रेजेडेंसी अपार्टमेंट गोवर्धन विलास, मुकेश कुमार पुत्र टिंकुसिंह राजपूत निवासी जमशेदपुर टाटानगर पूर्वी सिंघयूम झारखंड, जयेश पुत्र सुखलाल रेगर निवासी देवपुरा थाना सदर राजनगर तथा निरजसिंह पुत्र शंकर चौधरी निवासी जाट मोहल्ला रेलमगरा को गिरफ्तार किया।

वहीं मौके से तीन लेपटॉप, चार पीसी सेटअप मय दो सीपीयू, 13 कंपनी के मोबाइल, 4 निजी मोबाइल, 27 एटीएम, 4 बैंक पासबुक, 8 चैक बुक 23 सीम कार्ड, वाईफाई राउटर व नकद 40 हजार रूपये जब्त किए। इस मामले में मुख्य आरोपी पुनित खतूरीरया उर्फ सोनू सिंधी पुत्र किशार सिंधी निवासी आलोक स्कूल के पास सवीना फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। विदेश भागने की संभावना के लिए पुलिस ने सोनू की तलाश के लिए एलओसी जारी करवाई।

प्रकरण के अनुसार एक मई रात में सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में गोवर्धन विलास थानाधिकादी दिलिपसिंह झाला, डीओ कालूलाल एएसआई मय टीम ने शिकारवाड़ी कॉलोनी में लेकविजन अपार्टमेंट पहुंच दबीश दी, जहां चार युवक ऑनलाइन काम करते मिले, जो ऑनलाइन लेनेदेन कर बजरंगबुक पर काम करते दिखे।

पूछताछ करने पर सभी उक्त गेमिंग साइट मास्टरमाईंड पुनित उर्फ सोनी सिंधी द्वारा तेयार कर दुबई कार्यालय से संचालन वेबसाइट पर क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी सहित अन्य गेम पर ऑनलाइन सट्टा संचालन करने की जानकारी दी। इसके खेलने के लिए ग्राहक बजरंग बुक पर जुड़कर अपना आईडी प्राप्त कर खेलते हैं।

बजरी का परिवहन करते दो ट्रैक्टर-टॉली जब्त

पावटा, (निसं)। बजरी के अवैध खनन और परिवहन के मामले में प्रागपुरा थाना पुलिस ने दो ट्रैक्टर-टॉली जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि प्रागपुरा थानाधिकारी किरण सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा बजरी के अवैध खनन और परिवहन करते दो ट्रैक्टर-टॉली जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रागपुरा थानाधिकारी किरण सिंह ने बताया कि चालक सोहनलाल (28) पुत्र श्योराम निवासी अमाई तहसील व थाना कोटपुतली एवं राजाराम (30) पुत्र गोपीराम निवासी अमाई तहसील व थाना कोटपुतली को गिरफ्तार कर अवैध बजरी खनन एवं परिवहन का मुकदमा दर्ज किया है। ट्रैक्टर ट्रॉलियों में अवैध बजरी भरी होने पर जब्त कर थाने लाकर सुरक्षार्थ खड़ा करवाया दिया।

11 साल के बच्चे की हत्या, दो दिन से लापता था

गांव की पुरानी हवेली में चादर से ढका हुआ शव मिला

अलवर, (निसं)। दो दिन से लापता 11 साल के बच्चे का शव एक पुरानी हवेली में मिला। शव चादर से ढका था और आस-पास खून बिखरा था। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जांच सीबीआई से कराने की मांग की है।

- **परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जांच सीबीआई से कराने की मांग की**

मामले की जानकारी पर बुधवार रात अलवर एसपी संजीव नैन, एएसपी डॉ. प्रियंका रघुवंशी और विधायक मांगेलाल मीणा मौके पर पहुंचे। बच्चे की हत्या से आक्रोशित ग्रामीण और परिजन धरने पर बैठ गए। जनप्रतिनिधियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया। इसके बाद शव को देर रात रैणी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया। घटना अलवर के राजगढ़ थाना क्षेत्र के झांकड़ा गांव की है। जानकारी के अनुसार 11 साल का मयंक सिंह उर्फ कान्हा के पिता लाखन सिंह ने 20 मई को राजगढ़ थाने में बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बीच गांव की एक सूनी हवेली में शव मिला। हत्यारों की तलाश के लिए पुलिस की एक टीम गठित की गई है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

परीक्षा में जांच के बहाने नाबालिग छात्र से अश्लील हरकत का आरोप

उदयपुर, (निसं)। मोहनलाल सुखाडिया यूनिवर्सिटी के संघठक कॉमर्स कॉलेज में बाहर से परीक्षा देने आए एक नाबालिग छात्र की फैकल्टी द्वारा अश्लील हरकतें करने का मामला सामने आया है। छात्र के परिजनों ने इस संबंध में भूपालपुरा थाने में परिवाद दर्ज कराया। साथ ही कॉलेज डीन को शिकायत की।

शिकायत में बताया कि कॉलेज में परीक्षा चेकिंग के नाम पर एक सर मुझे केबिन में ले गए और मेरे कपड़े उतारने को कहने लगे। जब मैंने मना किया तो चैकिंग के नाम पर मेरी पैंट खोल दी। फिर धमकी देने लगे कि मुझे चेक करने दो। नहीं तो चीटिंग का आरोप लगाकर करियर खराब कर दूंगा। छात्र ने रिपोर्ट में यह भी बताया कि अश्लील हरकतें करने लगे। छात्र को धमकाया कि किसी को बताया तो करियर खराब कर दूंगा। फैकल्टी की इस हरकत से नाबालिग बुरी तरह सहम गया। वह दो दिन मानसिक तनाव में रहा। वहीं घटना सामने आने के बाद कॉलेज छात्रों ने जमकर हंगामा किया।

- **परीक्षा देने गए स्टूडेंट ने फैकल्टी पर आरोप लगाया**

नाबालिग ने हाल ही 12वीं की परीक्षा पास की है और वह सीए की तैयारी कर रहा है। कॉमर्स कॉलेज में 19 से 21 मई तक सीए फाउंडेशन की परीक्षा आयोजित हुई। यह पहले दिन 19 मई की घटना है जब छात्र के साथ एक टीचर ने चेकिंग के नाम पर अश्लील हरकतें की। दूसरे दिन 20 मई को छात्र की परीक्षा में गेप था। इसलिए वह कॉलेज नहीं गया। तीसरे दिन बुधवार को उसे वापस परीक्षा देने जाना था लेकिन वह जाने के लिए पेरेंट्स से मना करने लगा। पेरेंट्स ने जब उसके हाव-भाव देखकर कारण पूछा तो उसने पूरी घटना बताई। जिसके बाद पेरेंट्स ने कॉमर्स कॉलेज डीन को लिखित शिकायत की। साथ ही भूपालपुरा थाने में परिवाद दिया।

मामले में कॉलेज डीन बीएल वर्मा का कहना है कि छात्र के पेरेंट्स ने मुझे शिकायत की है। उन्होंने चेकिंग के बहाने हुई गलत हरकतों की आपबीती सुनाई। फैकल्टी कौन है इसकी जांच करवाकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

अजमेर में दरगाह क्षेत्र से तीन बांग्लादेशी महिलाएं पकड़ी

अजमेर जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और सीआईडी जोन अजमेर ने तीन बांग्लादेशी महिलाओं को डिटेन किया।

अजमेर, (कासं)। केंद्र और राज्य सरकार के दिशा निर्देशों पर चलाए जा रहे अवैध नागरिकों के खिलाफ अभियान के तहत अजमेर जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और सीआईडी जोन अजमेर द्वारा संयुक्त कार्रवाई जारी है। पुलिस टीम ने दरगाह क्षेत्र से अवैध रूप से रह रही तीन बांग्लादेशी महिलाओं को डिटेन कर हिरासत में लिया है। अभियान के तहत अब तक 41 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा जा चुका है। पुलिस दस्तावेजों की जांच कर रही है।

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर व मुख्यालय) हिमांशु जागिंड़ तथा वृत्ताधिकारी लक्ष्मण राम के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने दरगाह थाना क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान मुखबिरों से मिली सूचनाओं और तकनीकी साधनों के आधार पर दरगाह बाजार, नई सड़क, तारागढ़ की पहाड़ी, लंगरखाना गली आदि में संदिग्धों की तलाश की गई। इस दौरान तीन महिलाएं पन्ना बेगम उर्फ अमीना, समीरा और साहनी उर्फ समीना उर्फ रिहाना को पकड़ा गया। पकड़ी गई महिलाएं बांग्लादेश से बेनापोल और दिल्ली बॉर्डर के रास्ते भारत में अवैध रूप से दाखिल हुई थी। पूछताछ में महिलाओं ने बांग्लादेशी होने की पुष्टि की और बताया कि पश्चिम बंगाल के मैदनापुर होते हुए अजमेर पहुंची थी और दरगाह क्षेत्र में पिछले काफी समय से रह रही थी। इन महिलाओं को सिलावट मोहल्ला, दरगाह बाजार से दस्तयाब किया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में इनके भारत आने का उद्देश्य स्पष्ट नहीं हो पाया है और जांच जारी है।

पाक बॉर्डर के नजदीक संदिग्ध कबूतर मिला

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर के समीप समेजा थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुरा में एक संदिग्ध कबूतर मिलने से हड़कंप मच गया। कबूतर लावारिस हालत में गांव के पास दिखाई दिया। ग्रामीणों ने जब उसे पकड़ा तो उसके पैर में छल्लेनुमा वस्तु बंधी हुई थी। शक होने पर ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना समेजा पुलिस थाने में दी। सूचना मिलते ही समेजा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कबूतर को अपने कब्जे में ले लिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि कबूतर के पैर में बंधी वस्तु संदिग्ध प्रतीत हो रही है। यह छल्ला किसी कोड या संदेश से जुड़ा हो सकता है। पुलिस ने कबूतर को वन विभाग के हवाले करने के लिए वन विभाग की टीम को सूचना दी गयी है। सुरक्षा एजेंसियों को भी इस मामले की जानकारी दे दी गई है। पुलिस ने बताया कि कबूतर की जांच के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। यह पता लगाया जाएगा कि कबूतर किसी देसी या विदेशी साजिश से जुड़ा है या नहीं। फिलहाल कबूतर को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि गांव सलेमपुरा पाक बॉर्डर से ज्यादा दूर नहीं है। ऐसे में किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि इस तरह की कोई और संदिग्ध वस्तु या जीव दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से ले रही हैं। कबूतर के छल्ले की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है।

जमीन विवाद में दो परिवारों में संघर्ष, एक की मौत, छह घायल

उदयपुर, (निसं)। जिले के झाड़ोल थाना क्षेत्र के वेलनिया गांव में बुधवार की रात जमीन के विवाद में दो परिवारों में हुये खूनी संघर्ष में 6 लोग घायल हो गए, जबकि संघर्ष में गंभीर घायल एक जने की मौत हो गई।

झाड़ोल डीएसपी नेत्रपाल सिंह ने बताया कि वेलनिया गांव में गोपाल सिंह और गणपत सिंह राजपूत के परिवारों में जमीनी विवाद को लेकर झगड़ा हुआ था। दोनों परिवारों में महिला और पुरुष आपस में भिड़ गए। लाठियां, कुल्हाडी, पत्थर आदि से एक दूसरे पर हमला कर दिया। घटना में कुल 7 लोग घायल हुए जिन्हें तुरंत झाडोल हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार कर दो गंभीर घायलों को उदयपुर एमबी हॉस्पिटल में रेफर कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना में गोपाल सिंह, धन सिंह, मनोहर सिंह, गजेसिंह, गणपत सिंह, नरेंद्र सिंह और नाहर सिंह घायल हो गए, जिन्हें झाडोल हॉस्पिटल पहुंचाया गया। इनमें धन सिंह और नाहर सिंह की हालत गंभीर होने से उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया। एमबी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान धनसिंह (75) नाम के एक बुजुर्ग ने गुरुवार को दम तोड़ दिया। इधर सूचना पर झाडोल पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों की तरफ से मामला दर्ज किया।

पांच लाख की धोखाधड़ी

जोधपुर, (कासं)। महाराष्ट्र के एक व्यक्ति से बोंबे मोटर चौराहा के पास में शतरंज इंस्टीट्यूट खोलने एवं पार्टनरशिप के नाम पर पांच लाख रूपए ऐंठ लिए। ना तो इंस्टीट्यूट खोला गया और ना ही रकम वापिस लौटाई। पीड़ित ने नामजद व्यक्ति के खिलाफ प्रतापनगर सदर थाने में धोखाधड़ी में रिपोर्ट दी है। प्रतापनगर सदर पुलिस ने बताया कि मूलत: कबनूर महाराष्ट्र हाल मालवीय नगर जयपुर के रहने वाले कौस्तुम कृष्णांत गोते ने रिपोर्ट दी है। उसने रिपोर्ट में बताया कि गत वर्ष उसकी मुलाकात बोम्बे मोटर के समीप दिल्ली के बुरादी निवासी मयंक शर्मा से हुई थी। यहां एक कार्यालय में उनके बीच में बोंबे मोटर के पास में शतरंज इंस्टीट्यूट खोलने की बात हुई थी, जिसमें पार्टनरशिप के तौर पर उससे मयंक शर्मा ने पांच लाख रूपए ले लिए। मगर इंस्टीट्यूट खोलने के नाम पर वह टालमटोल जवाब देता रहा। आखिरकार रकम को हड़प कर गया।